

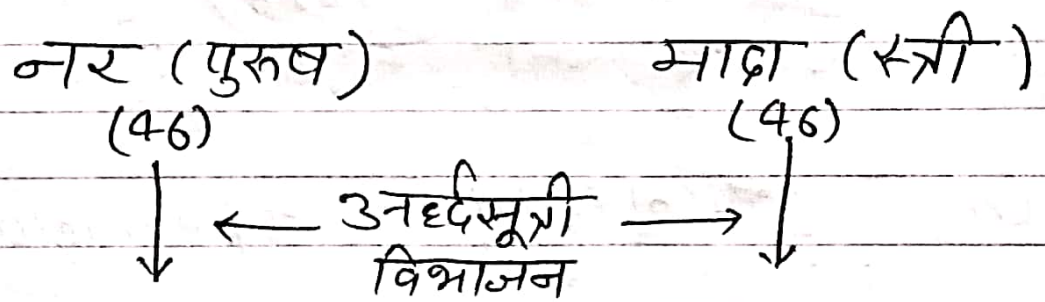
## LESSON - 3

— National —  
Date: \_\_\_\_\_  
Page: \_\_\_\_\_

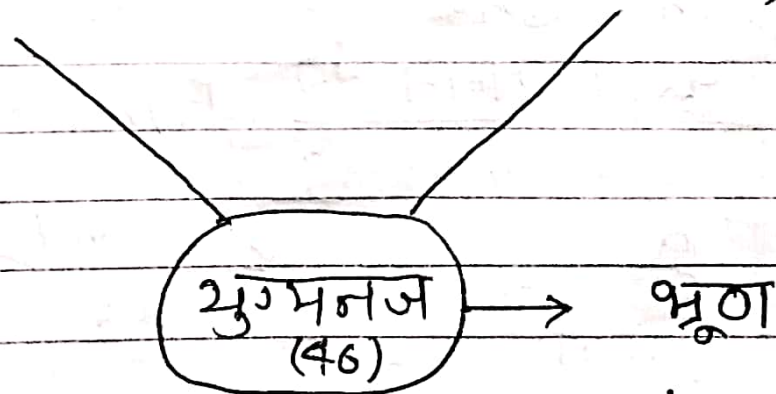
### मानव जनन [Human Reproduction]

★ मानव में जनन क्रिया लैंगिक रूप से होता है।

★ नर में नर युग्मक तथा मादा में मादा युग्मक का निर्माण होता है। संलयन की प्रक्रिया द्वारा भ्रूण का निर्माण होता है। भ्रूण विकसित होकर संतान का निर्माण करता है।



नर युग्मक (23) × मादा युग्मक (23)



↓  
(नया संतान)

☆ मानव जनन निम्नलिखित तीन प्रक्रमों में पूर्ण होता है।

[1.] निषेचन पूर्व घटना  
 पूर्व निम्नलिखित दो निषेचन से घटनाएँ होती हैं।

[1.] गुणकजनन [Gametogenesis] :-  
 नर व मादा में गुणकों का निर्माण ही गुणकजनन कहलाता है मानव जनन में यह दो प्रकार का होता है।

(A) शुक्राणुजनन [Spermatogenesis] :-

नर में गुणक (शुक्राणु) का निर्माण शुक्राणुजनन कहलाता है। इसमें भाग लेने वाले अंग को पुरुष जनन तंत्र कहते हैं।

पुरुष जनन तंत्र [Male reproductive system]

दो भाग में पुरुष जनन तंत्र को विभाजित किया गया है।



[क] प्राथमिक लैंगिक अंग [Primary sex Organ]

इन्में युग्मक का निर्माण होता है  
ये मुख्य लैंगिक अंग होता है  
उदाहरण → वृषण (Testis)

[ख] सहायक या द्वितीयक लैंगिक अंग -

[Accessory or secondary sex organ]

ये अंग मुख्यतः दो भाग में विभाजित होते हैं

(a) सहायक नलिकाएँ -

रीट टेस्टिस (Rete Testis), शुक्रवाहिका (vasa efferentia),  
अधिवृषण, शुक्रवाहिनी (vas deferens)

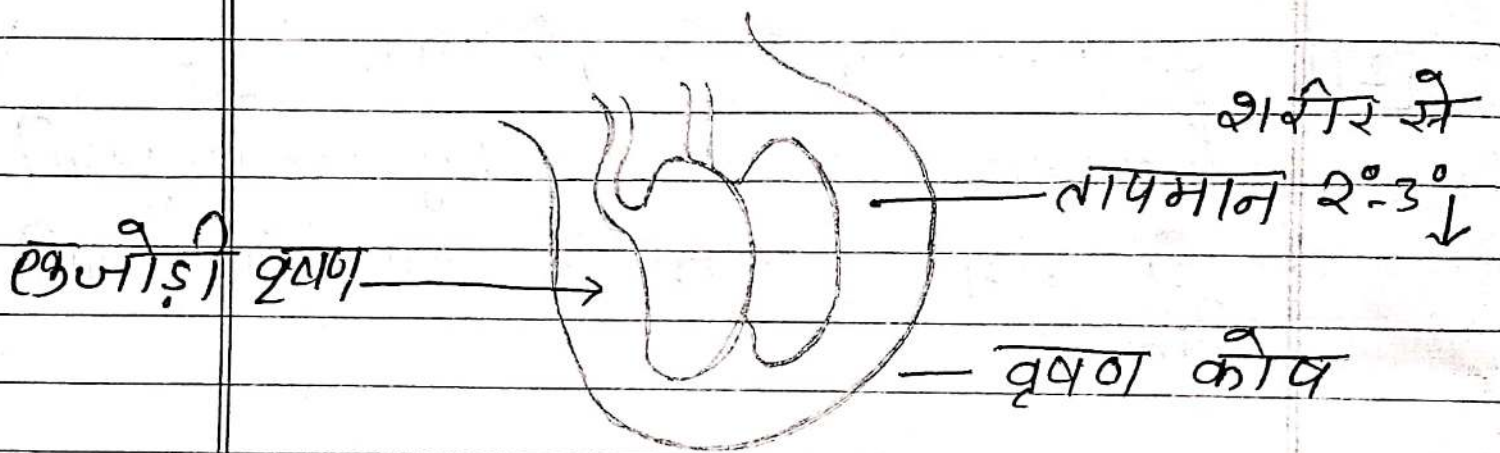
(b) सहायक ग्रन्थि -

शुक्राशय, (Seminal vesicle), प्रोस्टेट ग्रन्थि (Prostate gland),  
वल्वायु ग्रन्थि

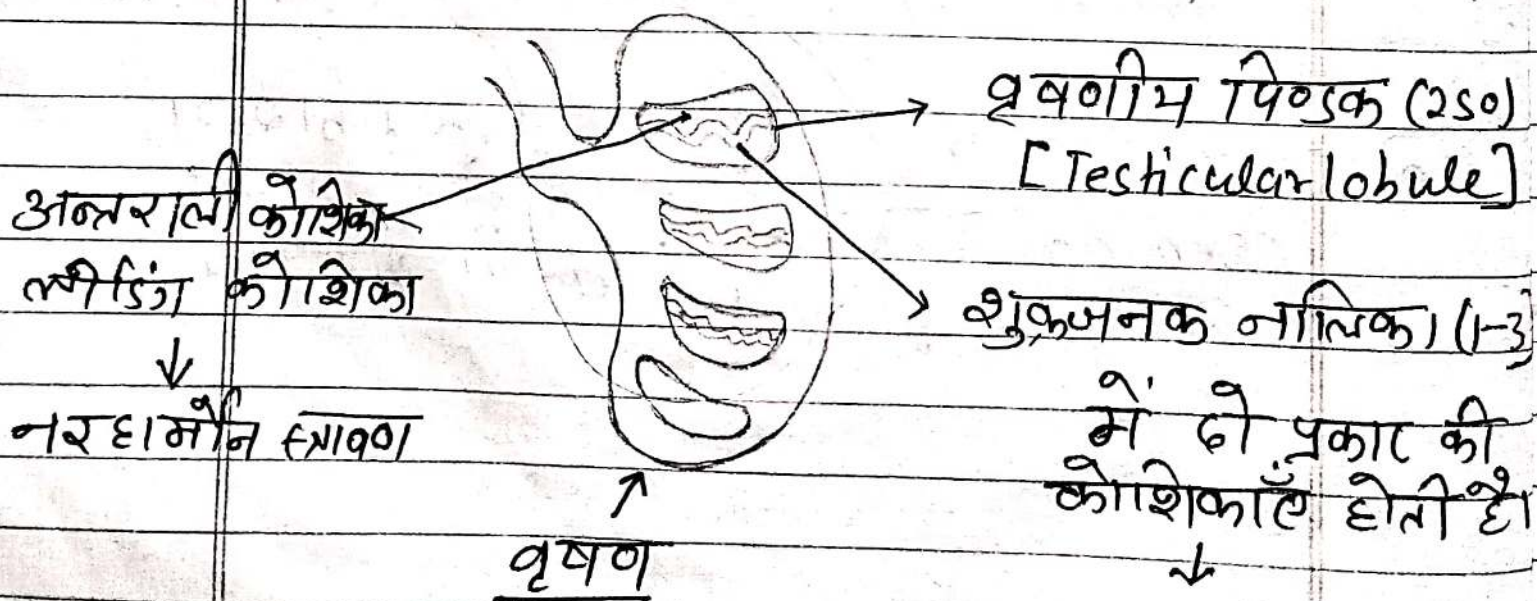
★

## वृषण [TESTIS]

मनुष्य में वृषण एक जोड़ी घेंलीनुमा संरचना से ढके हुये शरीर के बाहर स्थित होता है।



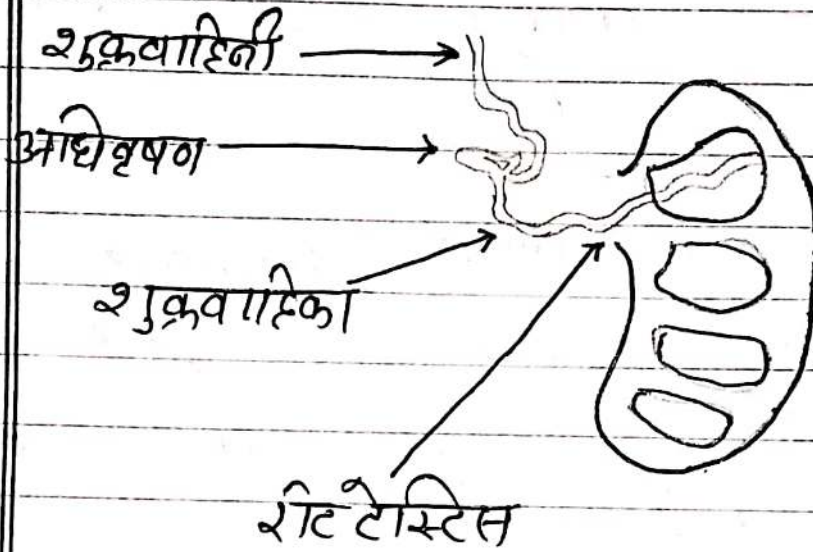
★ एक वृषण की संरचना ↓



- ① शुक्रजन कोशिका
- ② सर्टोली कोशिका



## सहायक नलिकाएँ ↓



## सहायक ग्रन्थि -

★ शुक्राशय [Seminal vesicle]

द्विपाक्षित चैलीनुमा संरचना में एक छोटी है। इसमें वीर्य का अधिकांश भाग बनता है।

★ प्रोस्टेट

यह ग्रन्थि मूत्रमार्ग के अधर तल पर स्थित होती है। ये शारीर तल से अवशोषित करती है। यह मूत्रमार्ग की अम्लीयता को नष्ट करता है।

★ काउपली ग्रन्थि

ये एक जोड़ी होती है। यह मूत्रमार्ग की अम्लीयता को समाप्त करता है।

तथा यौनि मार्ग को चिकना बनाकर मैथुन में सहायक है।

☆ स्त्री जनन तन्त्र [female Reproductive Organ]  
 में भी दो भागों में विभाजित किया गया है।

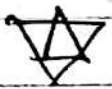
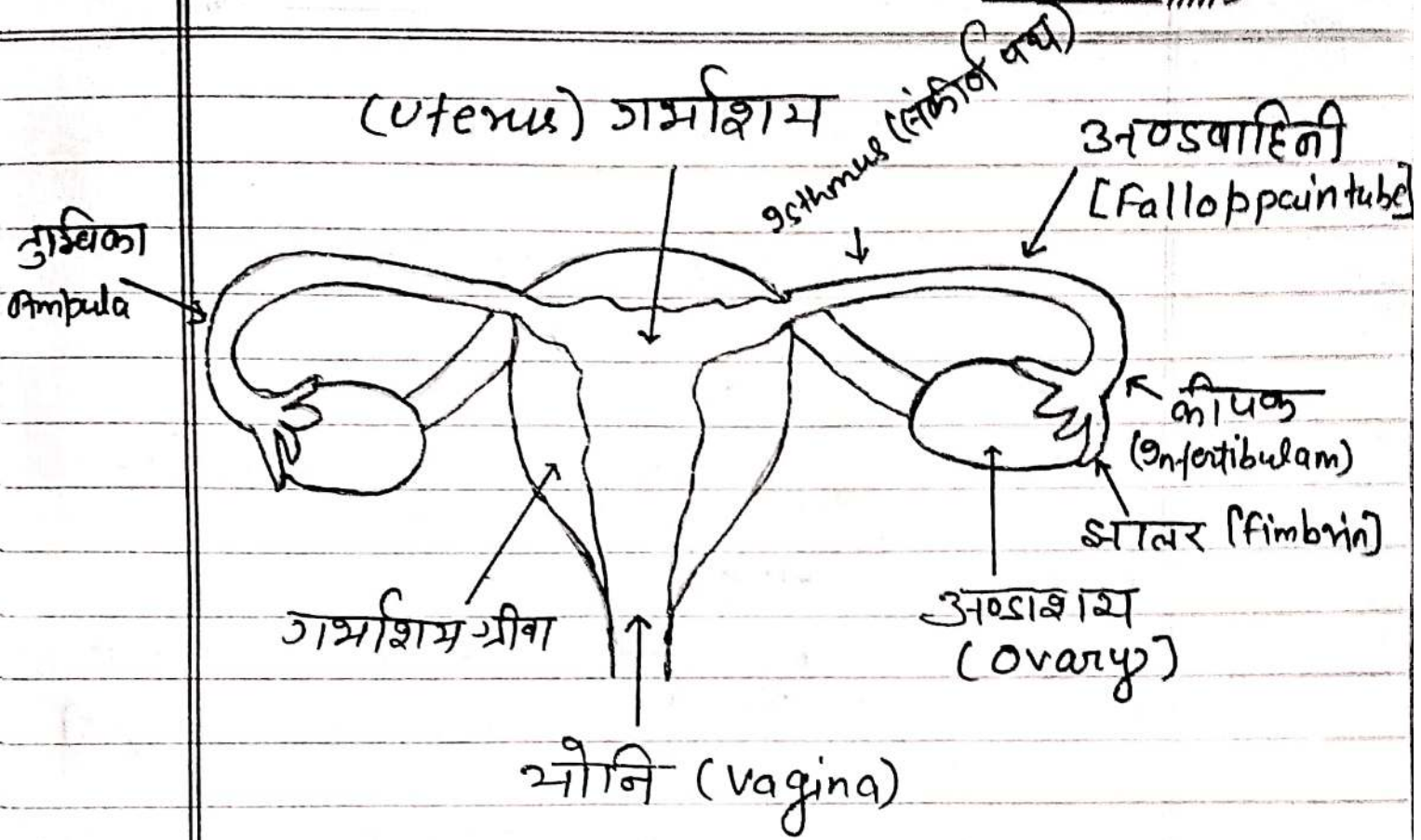
(i) प्राथमिक जनन अंग — Ovary

मादा में एक जोड़ी अण्डाशय गर्भाशय के दोनों तरफ होता है। ये वक्क के पीछे पेट भित्ति से जुड़ा होता है। अण्डाशय में पारिधी की ओर ग्रोफिमन पुटिकाएँ जिनमें अण्डाणु का निर्माण होता है।

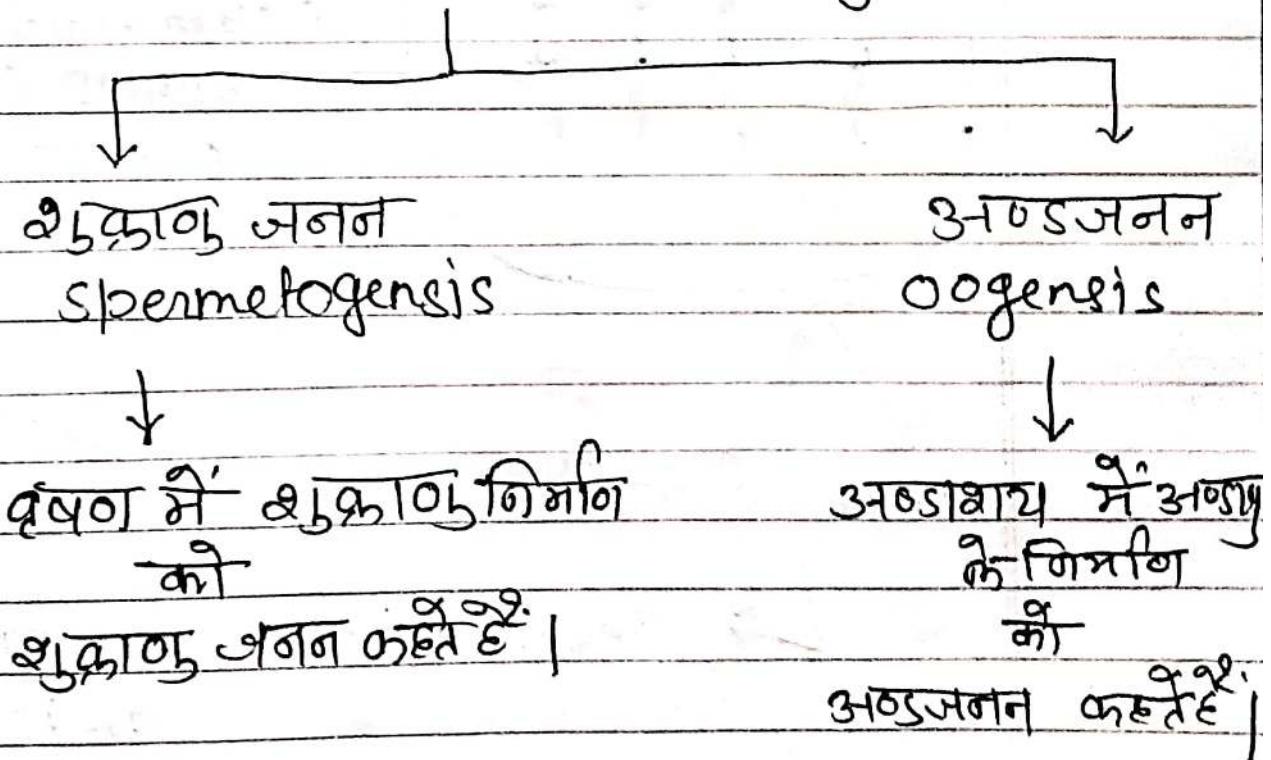
(ii) द्वितीयक जनन अंग

- (A) गर्भाशय (Uterus)
- (B) एक जोड़ी गर्भाशय अंग
- (C) एक जोड़ी अण्डवाहिनी (Oviduct)
- (D) एक यौनि (Vagina)
- (E) बाह्य यौनकेन्द्रिका (External genitalia)
- (F) एक जोड़ी लग्नग्रन्थि



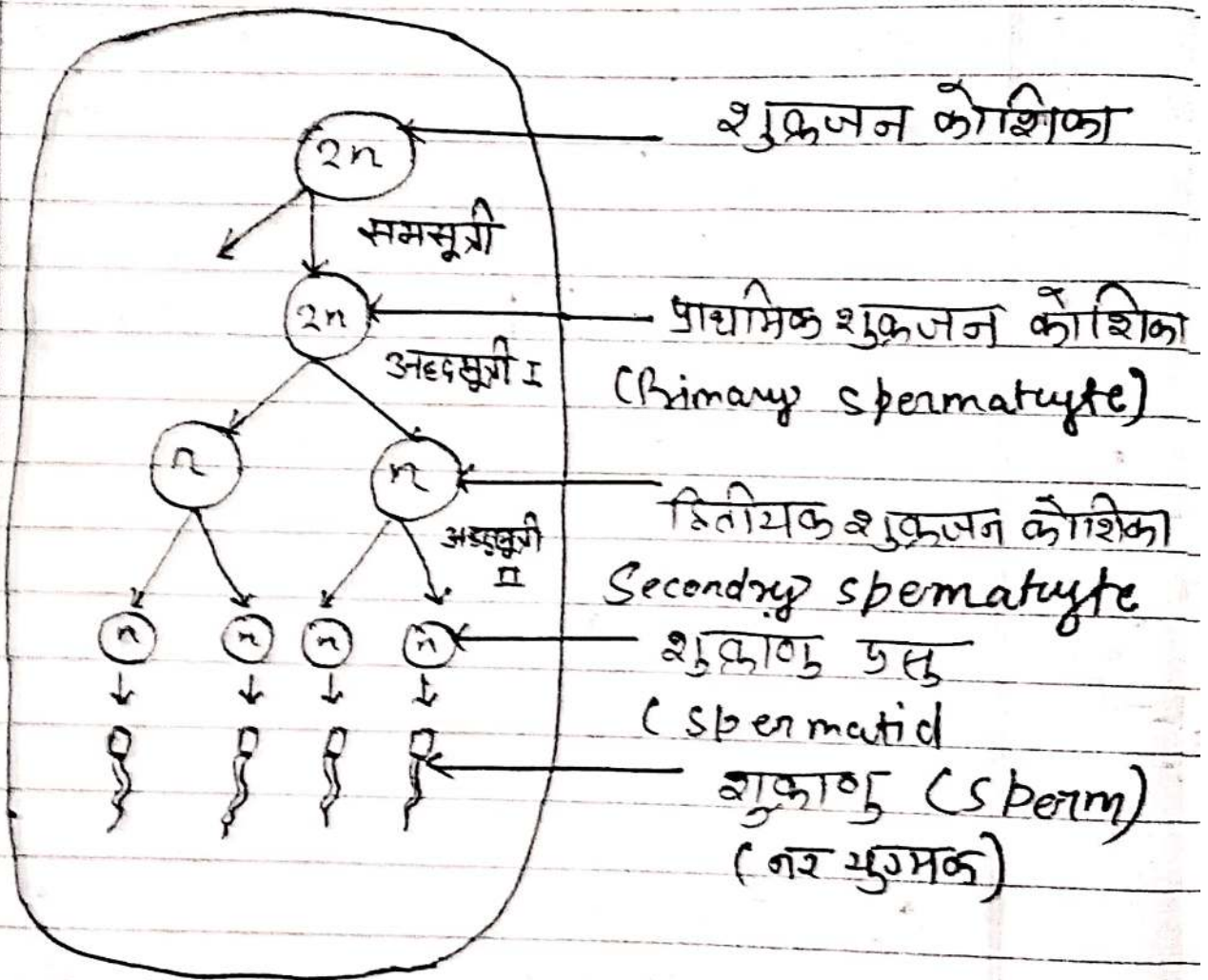


### सुक्रकजनन [Gametogenesis]



# शुक्राणु जनन

## [SPERMATOGENESIS]

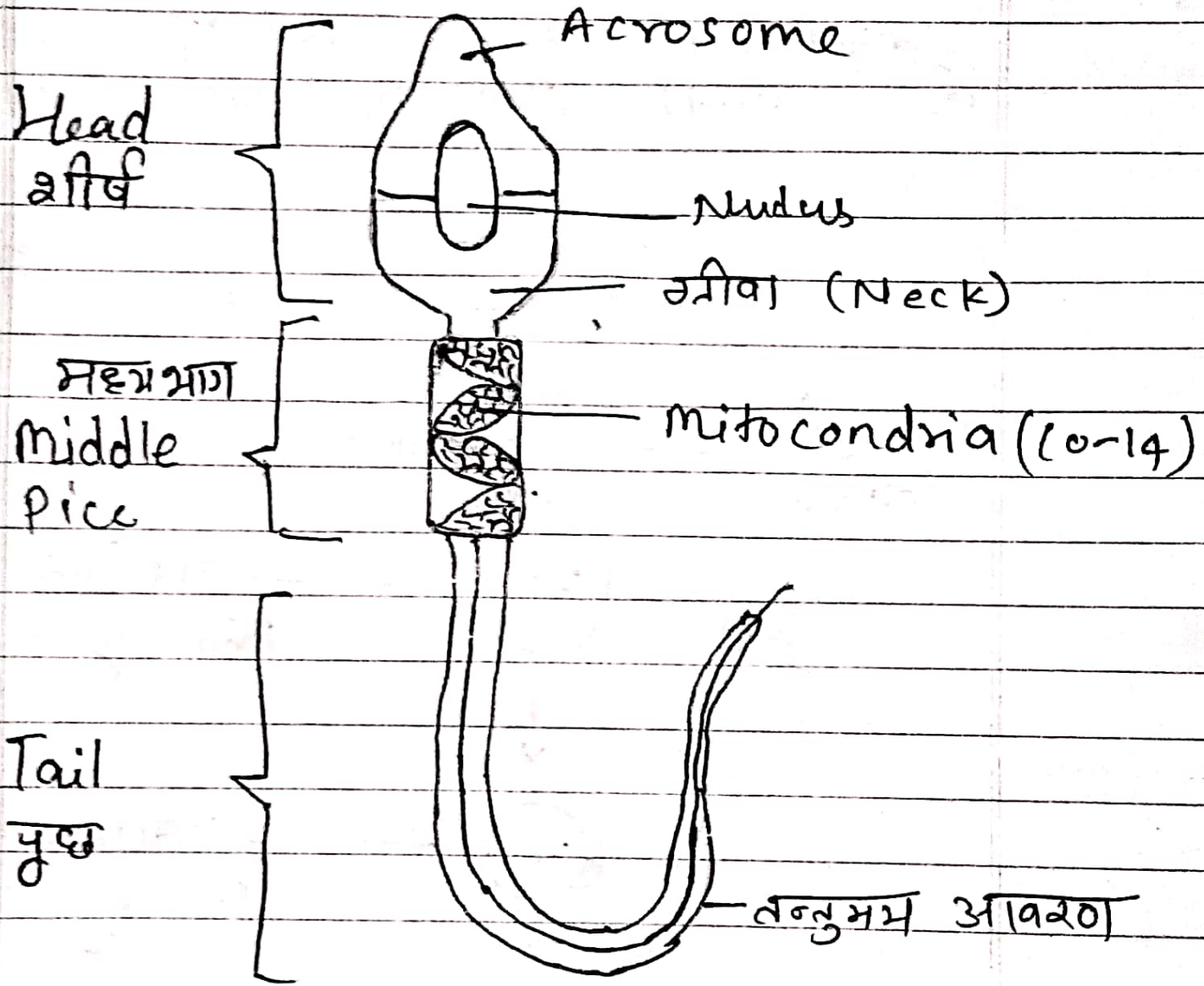


अन्तराली कोशिका

→ Testosterone को लापित करती हैं।



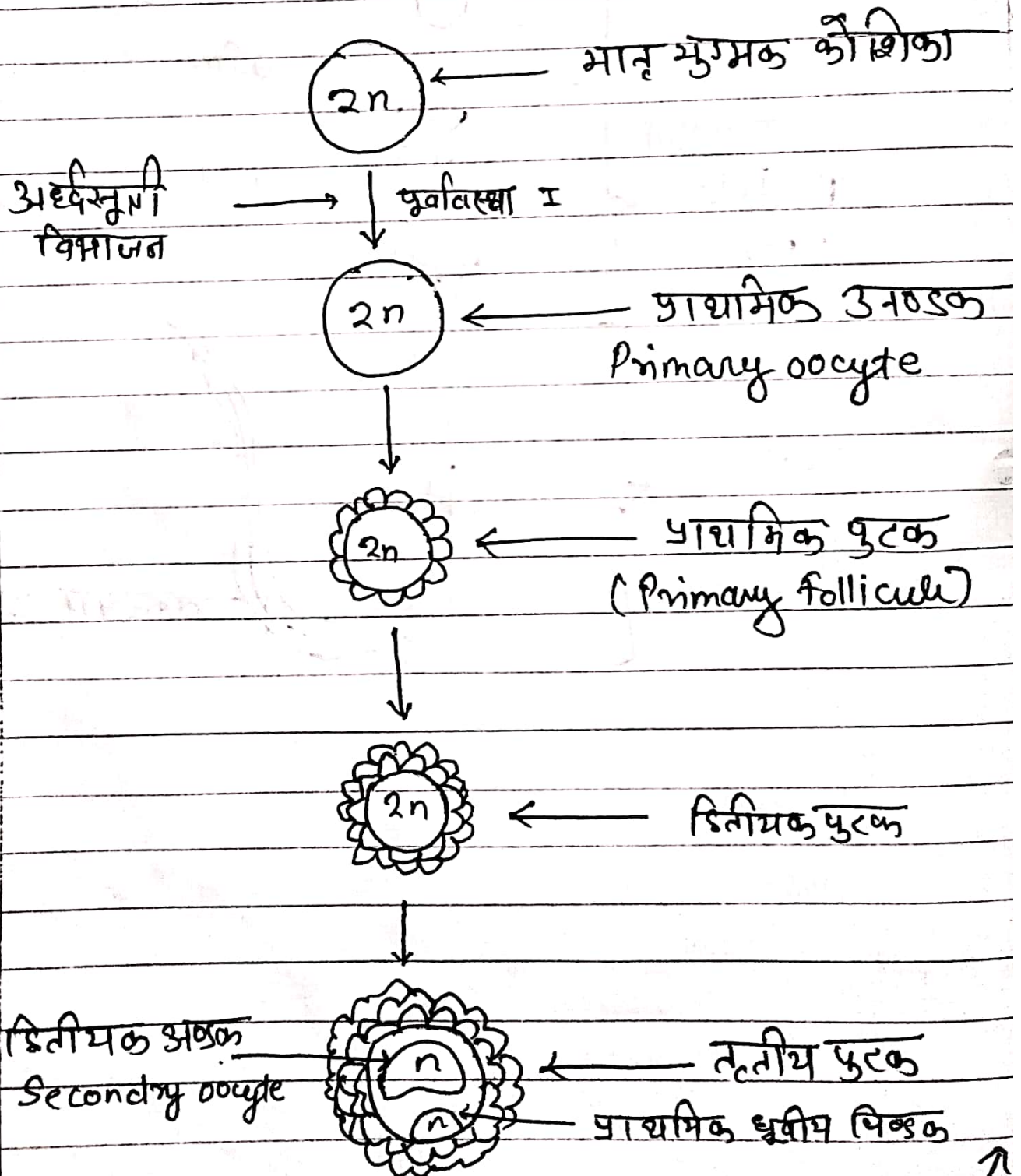
## शुक्राणु की संरचना



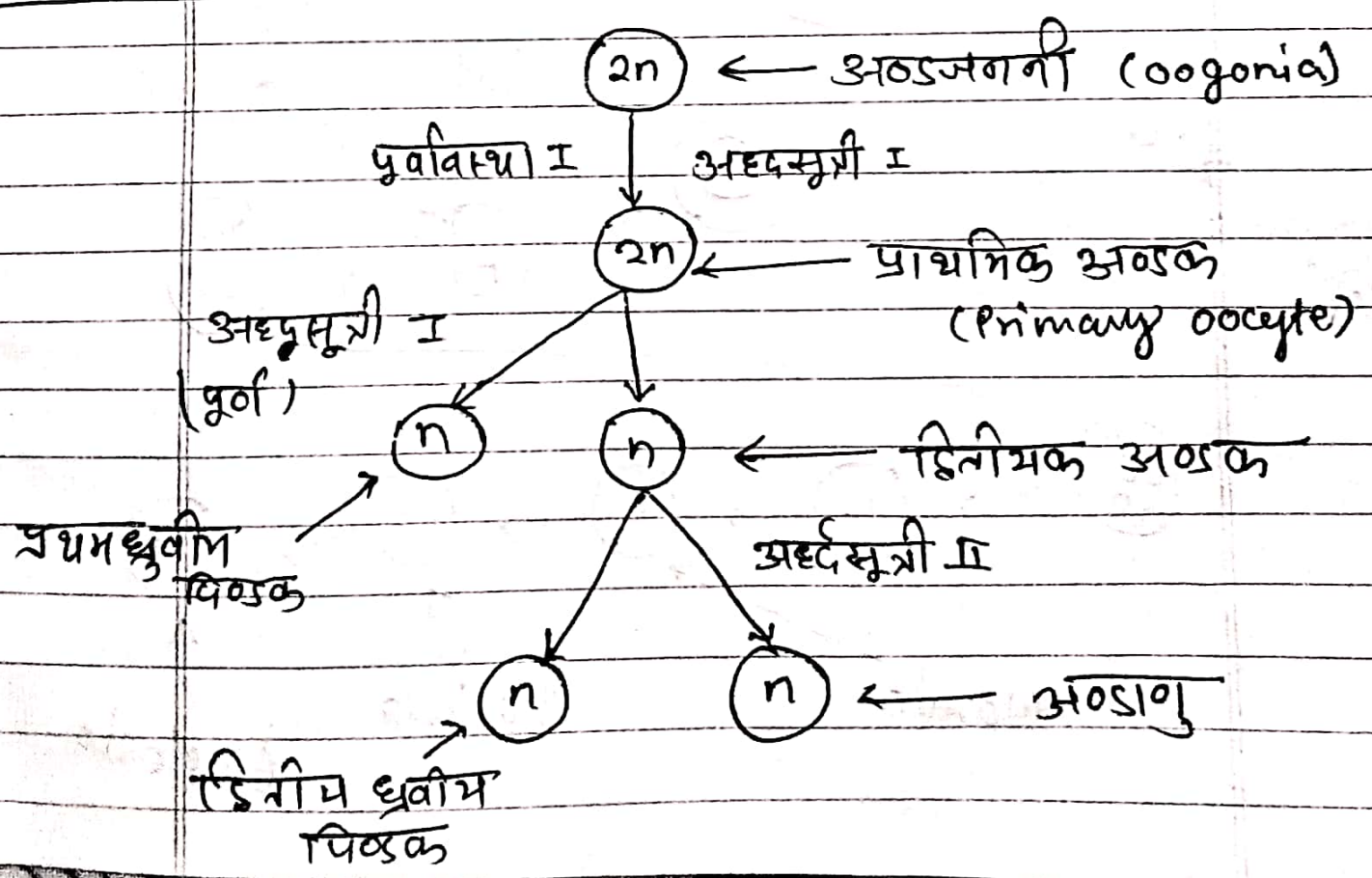
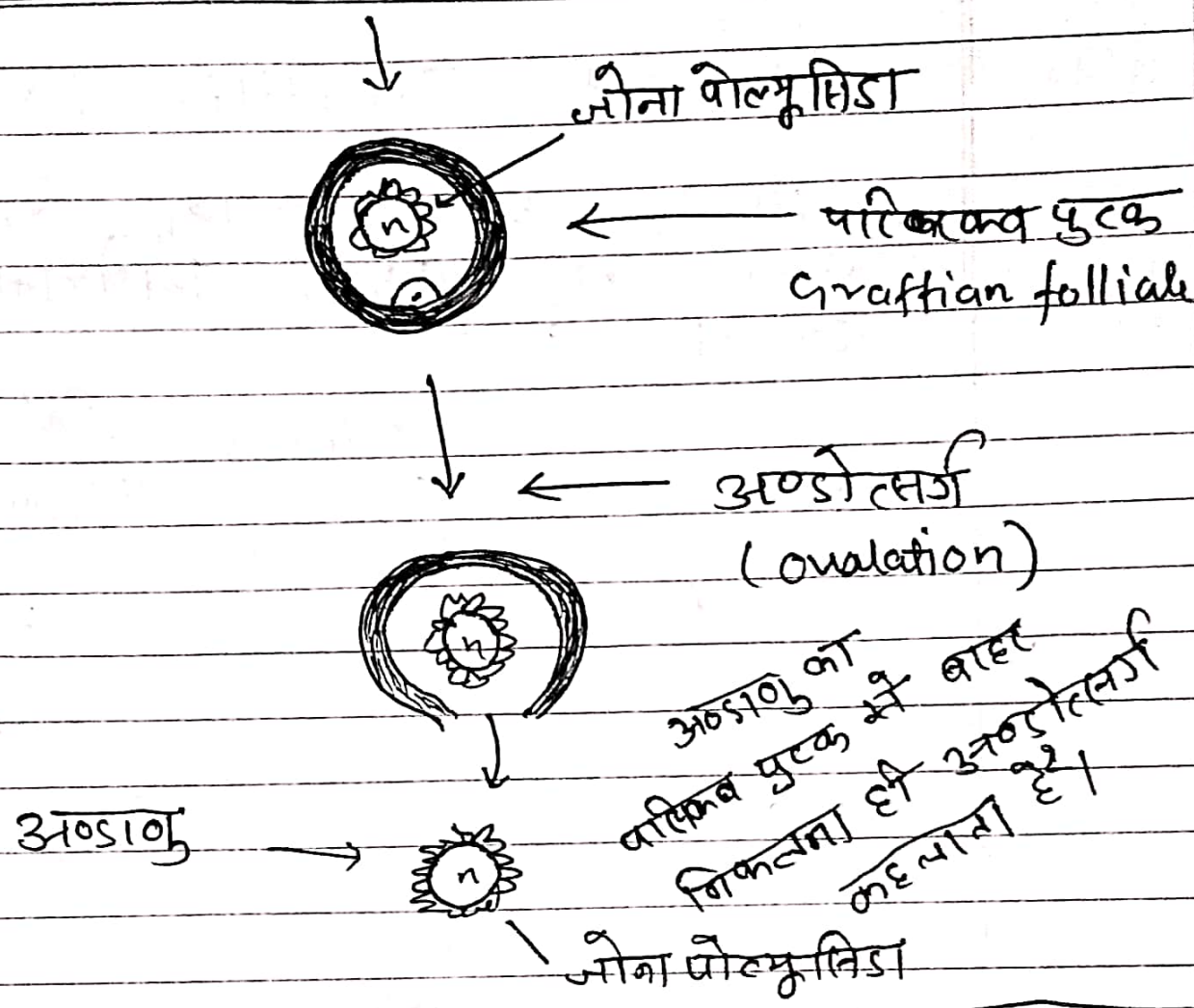
# अण्डाणुजनन

[OOGENESIS]

अण्डाणुजनन में अण्डाणु के निर्माण की प्रक्रिया अण्डाणुजनन कहलाता है



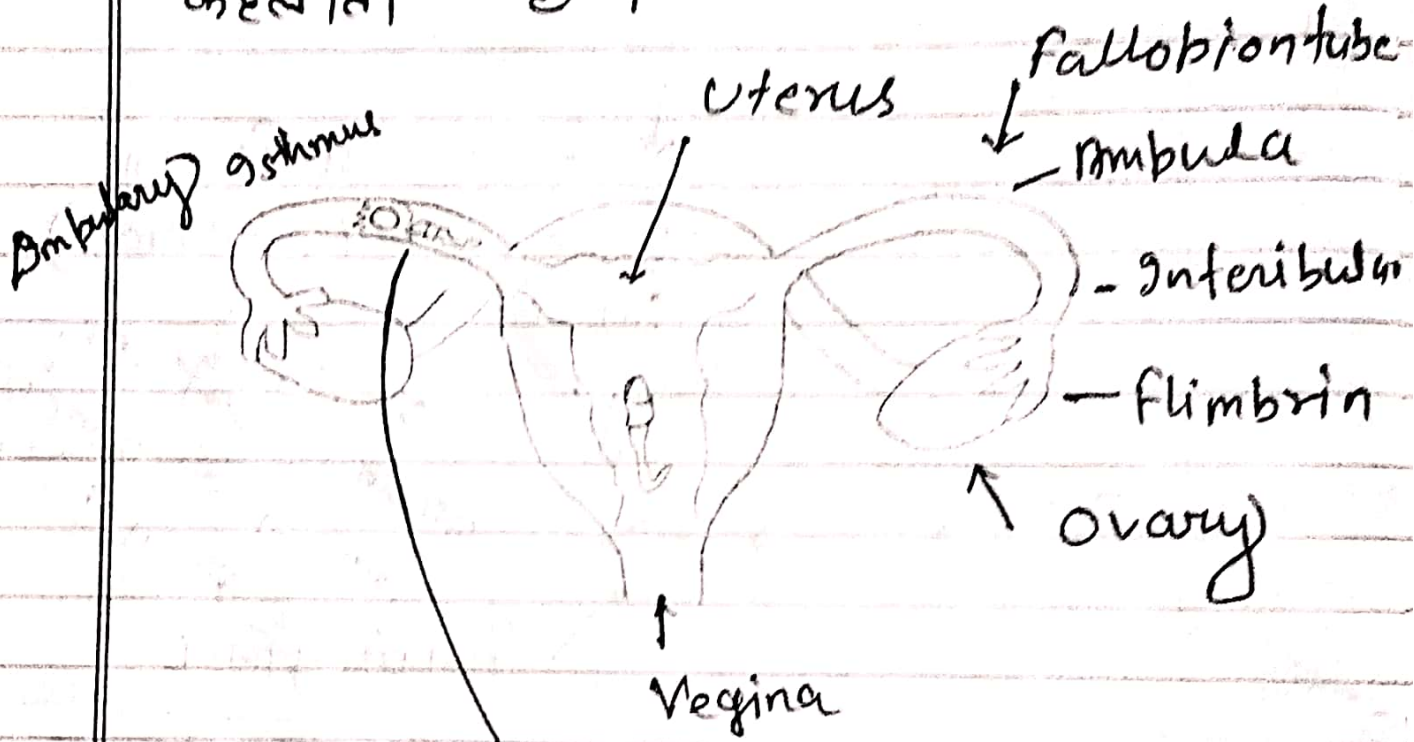




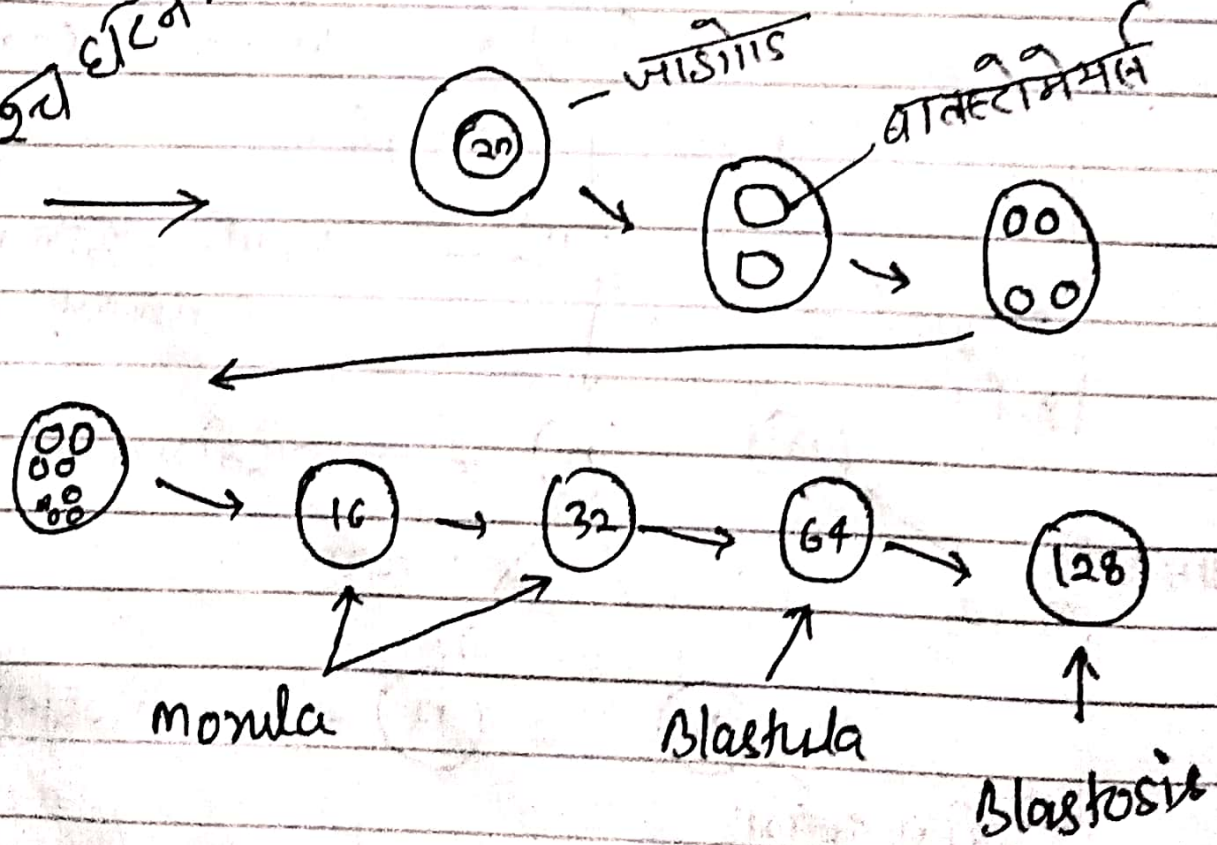
[20]

# निषेचन [Fertilization]

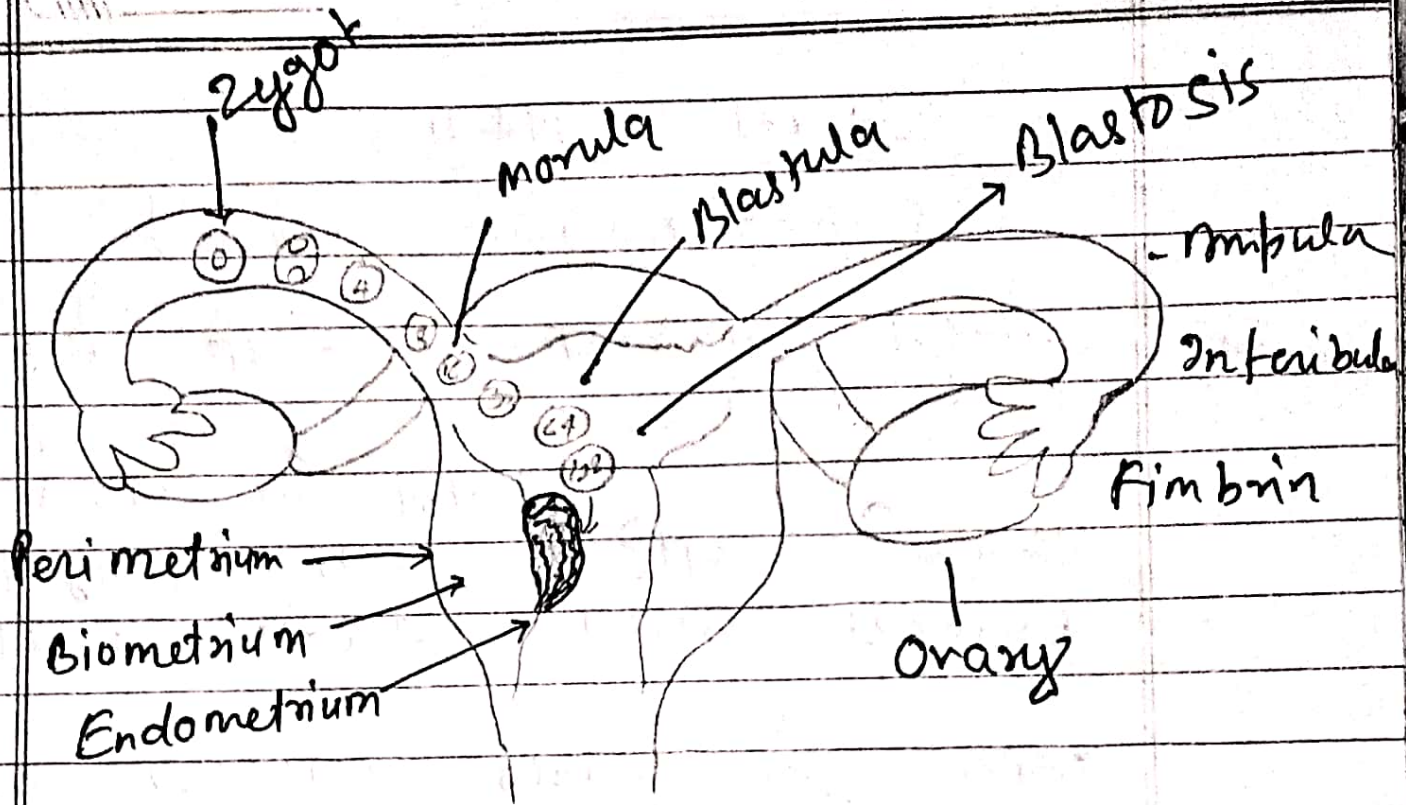
शुक्राणु का अण्डाणु के साथ  
 संलयन की प्रक्रिया निषेचन  
 कहलाती है।



निषेचन प्रश्न घटना







## अन्तरेपिण भा प्रधारोपण

[Implantation]

जम्भाशिम के अन्त भाग पर चिपकना  
 ही अन्तरेपिण कहलाता है।